मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड में दो दिवसीय पक्षी गणना–2025 आज से शुरू; राज्यभर में पक्षी संरक्षण के लिए समुदाय होंगे एकजुट।
- उत्तराखण्ड में टाइप–वन डायबिटीज प्रबंधन को नई दिशा–राज्य सरकार ने पहली तकनीकी गाइडलाइन जारी की।
- मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय और विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।
- कोलकाता के ईडन गार्डन्स में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत आज अपनी पहली पारी को 37 रन से आगे बढ़ाएगा।

उत्तराखंड पक्षी गणना 2025

राज्य में आज से दो दिवसीय उत्तराखंड पक्षी गणना 2025 आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य राज्य में वार्षिक पक्षी गणना की परंपरा स्थापित करना और विभिन्न समुदायों को पक्षी संरक्षण के लिए एक मंच पर लाना है। यह आयोजन मैदानों, पहाड़ियों, तराई और ऊँचे पहाड़ों में पाए जाने वाले विविध पक्षी जीवन को देखने का अवसर प्रदान करेगा। एक रिपोर्ट–

प्रतिभागी आज और कल राज्य में किसी भी स्थान पर पक्षियों का अवलोकन कर eBird मोबाइल ऐप या वेब इंटरफेस के माध्यम से अपनी चेकलिस्ट अपलोड कर सकते हैं। प्रत्येक चेकलिस्ट कम से कम 15 मिनट की होनी चाहिए और उसमें दृष्टि या ध्वनि से पहचाने गए सभी पक्षियों की गणना शामिल होनी चाहिए। 'स्थिर' या 'यात्रा' प्रोटोकॉल का उपयोग भी किया जा सकता है। सभी चेकलिस्ट 23 नवंबर 2025 तक अपलोड करनी होंगी।

गौरतलब है कि मध्य नवंबर पक्षियों के लिए महत्वपूर्ण समय माना जाता है, क्योंकि ऊँचाई वाले क्षेत्रों के प्रवासी पक्षी नीचे उतरते हैं और दूर–दराज से आने वाले लंबी दूरी के प्रवासी पक्षी स्थानीय प्रजातियों के साथ जुड़ते हैं। इस दौरान दर्ज किए गए पक्षी अवलोकन जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और प्रजातियों में हो रहे बदलावों को समझने में महत्वपूर्ण जानकारी देते हैं। पिछले वर्ष हुई पहली राज्यव्यापी पक्षी गणना में 731 ज्ञात प्रजातियों में से 399 प्रजातियों का प्रेक्षण दर्ज किया गया था। इस बार सभी जिलों में 81 से अधिक बर्डिंग सत्र होंगे, जिनमें 62 सार्वजनिक अवलोकन भ्रमण और 19 आमंत्रण–आधारित कार्यक्रम शामिल हैं।

उत्तराखंड पक्षी गणना 2025 में इस बार समावेशिता पर भी जोर दिया गया है। दृष्टिबाधित और श्रवणबाधित पक्षीप्रेमियों के लिए विशेष अवलोकन सत्र रखे गए हैं। साथ ही महिला प्रतिभागिता में भी इस वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

आकाशवाणी देहरादून के लिये समाचार कक्ष से पंकज सनवाल खुल्बे

डायबिटीज प्रबंधन गाइडलान

उत्तराखण्ड सरकार ने टाइप–वन डायबिटीज के प्रबंधन के लिए पहली राज्य स्तरीय तकनीकी और संचालन संबंधी गाइडलाइन जारी की है। इन दिशा–निर्देशों में निदान और उपचार के मानकीकृत प्रोटोकॉल, जिला अस्पतालों में गुब्बारा क्लिनिक संचालन के निर्देश, स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिकाएं, सुदृढ़ स्क्रीनिंग व्यवस्था, निःशुल्क इंसुलिन और शुगर मॉनिटरिंग उपकरणों की उपलब्धता तथा राज्यभर के लिए एक समान रिपोर्टिंग प्रणाली शामिल है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार टाइप–वन डायबिटीज मुख्य रूप से बच्चों और युवाओं में पाई जाती है और समय पर उपचार न मिलने पर यह गंभीर खतरा बन सकती है। राज्य ने 'गुब्बारा क्लिनिक' मॉडल के माध्यम से डायबिटीज देखभाल की व्यापक सुविधा तैयार की है। इन क्लिनिकों में नियमित इंसुलिन थेरेपी, शुगर निगरानी, निर्धारित अंतराल पर मेडिकल जांच, पोषण और मनोवैज्ञानिक परामर्श, परिवार परामर्श और मासिक फॉलो–अप जैसी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। देहरादून, हरिद्वार, बागेश्वर और उधमसिंहनगर सहित कई जिलों में ये क्लिनिक संचालित हो रहे हैं। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2026–27 तक टाइप–वन डायबिटीज से प्रभावित एक हजार एक सौ बीस लोगों तक इन सेवाओं को पहुंचाना है।

अमृत पीढ़ी संवाद

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने भविष्य में विकसित राष्ट्र के निर्माण में बच्चों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया है। कल बाल दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित ''अमृत पीढ़ी संवाद'' कार्यक्रम में बच्चों के साथ बातचीत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि वे राष्ट्र की आशा, आकांक्षा और ऊर्जा के प्रतीक हैं। उन्होंने बच्चों से हमेशा बड़े सपने देखने और कठोर परिश्रम के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। राज्याल ने बच्चों को शिक्षा, नवाचार, रचनात्मकता और तकनीक की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान समय विज्ञान, एआई और डिजिटल तकनीक का युग है, इसलिए बच्चों को अभी से ही नई तकनीकों को सीखकर भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए।

चर्चा

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय और कई केंद्रीय मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मुख्य सचिव ने केंद्रीय पर्यटन सचिव से उत्तराखण्ड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने, शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने, स्थानीय और धार्मिक पर्यटन के विस्तार तथा स्पोर्ट्स टूरिज्म के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है और केंद्र के सहयोग से नए अवसर विकसित हो सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव से मुलाकात में उन्होंने देहरादून स्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क को मजबूत करने और राज्य को सेमीकंडक्टर हब के रूप में विकसित करने में सहयोग मांगा। सीडीएस जनरल अनिल चौहान से बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में बॉर्डर एरिया टूरिज्म और वाइब्रेंट विलेज योजना को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने सेना और आई०टी०बी०पी द्वारा स्थानीय खाद्य उत्पादों की खरीद बढ़ाने का भी आग्रह किया, जिससे स्थानीय लोगों की आय बढ़ सके और जवानों को गुणवत्तापूर्ण आहार मिल सके। प्रधानमंत्री कार्यालय में उन्होंने राज्य के विभिन्न प्रस्तावों पर शीघ्र निर्णय और सहयोग देने का आग्रह किया। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए उन्नत तकनीक आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने और केंद्र व राज्य के संयुक्त सहयोग से एक समावेशी आपदा प्रबंधन कार्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की।

क्रिकेट

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत आज अपनी पहली पारी को आगे बढ़ाएगा। भारत ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में एक विकेट पर 37 रन बनाए। के. एल. राहुल 13 और वाशिंगटन सुंदर 6 रन बनाकर क्रीज पर थे। इससे पहले कल, जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को मात्र 159 रन पर समेट दिया।

हिमालयी सम्मेलन

अल्मोड़ा स्थित जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान में तीन दिवसीय हिमालयी सम्मेलन 2025 आयोजित किया गया है। "भारतीय हिमालयी क्षेत्र 2047 : पर्यावरण संरक्षण एवं सतत सामाजिक–आर्थिक विकास" विषय पर हो रहे इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में हिमालयी राज्यों के वैज्ञानिक, नीति–निर्माता और शोधकर्ता शामिल हैं। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन, अनियंत्रित शहरीकरण, जैव विविधता संरक्षण, जल संसाधन प्रबंधन और पर्वतीय कृषि जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने चर्चा की गई। सत्रों में हिमालय में बढ़ते तापमान, ग्लेशियर पिघलाव, वनाग्नि, आक्रामक प्रजातियों के खतरे, भू–जल संरक्षण और स्थान–विशिष्ट कृषि तकनीकों की जरूरत पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्ष 2047 तक एक जलवायु–लचीले और सतत हिमालयी क्षेत्र के लिए सामूहिक दृष्टि और कार्ययोजना तैयार करना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ– आइ०क्यू०एसी द्वारा दो दिवसीय शोध पद्धति व शैक्षणिक लेखन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का उददेश्य शोधार्थियों को आधुनिक शोध पद्धतियों , नैतिक मानकों और अकादमिक लेखन की नवीन तकनीकों से परिचित कराना है। कार्यक्रम में आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर मनु गुप्ता ने डेटा संग्रहण, सैम्पलिंग तकनीक, नमूना आकार निर्धारण और डेटा विश्लेषण की आधुनिक पद्धतियों पर उपयोगी जानकारी दी तथा प्रतिभागियों को डिजिटल मंचों और व्यावहारिक उपकरणों से परिचित कराया। कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जे०एन सिन्हा ने शोध विषय चयन से लेकर शोधप्रबंध लेखन और उसे पुस्तक में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को सरल तरीके से समझाया। उन्होंने प्रभावी भाषा, सुव्यवस्थित संरचना और अंतरराष्ट्रीय शैली नियमावलियों के महत्व पर बल दिया।

एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर...

बिहार विधानसभा चुनाव मे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, एनडीए की जीत की खबरों को सभी समाचार पत्रो में प्रमुखता दी है। दैनिक जागरण लिखता है–बिहार में चमत्कार। राष्ट्रीय सहारा की खबर हैं–एनडीए की सुनामी में उडा महागठबंधन।

गौचर हवाई पटटी से जल्द 18 सीटर विमान उडान भर सकेंगे अमर उजाला की सुर्खी है। समाचार पत्र मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हवाले से लिखता हैं– गौचर से 18 सीटर हवाई सेवा होगी शुरू।

रूद्रप्रयाग में भालू ने चारा लेने गई सात महिलाओं को किया घायल। इस ख़बर पर दैनिक जागरण लिखता हैं– वन्यजीवों के हमलों से सहमा पहाड।